

Total No. of Questions – 9]
(2022)

[Total Pages : 8

9342

M.Com. Examination

FINANCIAL MANAGEMENT

Paper : MC-2.2

(Semester IInd)

Time : Three Hours]

[Maximum Marks : 80

The candidates shall limit their answers precisely within the answer-book (40 pages) issued to them and no supplementary/ continuation sheet will be issued.

परीक्षार्थी अपने उत्तरों को दी गयी उत्तर-पुस्तिका (40 पृष्ठ) तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त पृष्ठ जारी नहीं किया जाएगा।

Note : There are nine questions in all. First question of Part-A is compulsory and consists of ten questions having two marks each. The candidate will attempt one question from each unit of Part B and each question carries fifteen marks.

नोट : कुल 9 प्रश्न हैं। भाग-अ का प्रश्न संख्या एक अनिवार्य है जिसमें 10 प्रश्न हैं और प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है और भाग-ब की प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न कीजिए और इसका प्रत्येक प्रश्न 15 अंक का है।

9342/2000/777/955/Trans.

[P.T.O.]

PART-A (भाग-अ)
Compulsory Question
(अनिवार्य प्रश्न)

1. Describe the following :

- (a) At the end of 10 years, how much is a \$100 initial deposit worth, assuming an annual interest rate of 10 percent compounded semiannually?
- (b) Wealth Maximisation.
- (c) Degree of Financial leverage.
- (d) Cost of equity.
- (e) Discounting and Compounding.
- (f) Capital rationing.
- (g) Yield to Maturity.
- (h) Walter model.
- (i) What is annuity and annuity due?
- (j) Discounted cash flow (DCF).

निम्नलिखित की व्याख्या कीजिए :

- (क) 10 वर्षों के अंत में, \$100 प्रारंभिक जमा मूल्य कितना होगा, यह मानते हुए कि वार्षिक ब्याज दर 10 प्रतिशत अर्धवार्षिक से संयोजित है।
- (ख) धन अधिकतमीकरण।
- (ग) वित्तीय उत्तोलन की कोटि।
- (घ) इक्विटी की लागत।
- (ङ) छूट और संयोजन।
- (च) पूंजी राशनिंग।
- (छ) परिपक्वता का लाभ पहुंचाना।
- (ज) वाल्टर मॉडल।
- (झ) वार्षिकी और वार्षिकी देय क्या है?
- (ण) बढ़ागत नकद प्रवाह।

PART-B (भाग-ब)

Note: Attempt any *four* questions, selecting one question from each unit. Each question carries fifteen (15) marks.

नोट: प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न चुनते हुए कुल चार प्रश्न कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 15 अंक का है।

UNIT-I (इकाई-I)

2. How does the 'modern' financial manager differ from the 'traditional' financial manager? Does the 'modern' financial manager's role differ for the large diversified firm and the small to medium size firm? Explain.

'आधुनिक' वित्तीय प्रबंधक 'पारंपरिक' वित्तीय प्रबंधक से किस प्रकार भिन्न है? क्या आधुनिक प्रबंधक की भूमिका बड़ी विविधीकृत फर्म और छोटे से मध्यम आकार की फर्म के लिए भिन्न है? व्याख्या कीजिए।

3. What do you mean by financial forecasting? What are the various techniques available to a finance manager?

वित्तीय पूर्वानुमान से आपका क्या अभिप्राय है? वित्तीय प्रबंधक के लिए उपलब्ध विभिन्न तकनीकों क्या हैं?

UNIT-II (इकाई-II)

4. Explain the assumptions and implications of the NI approach and the NOI approach. Illustrate your answer with hypothetical example.

एन.आई. दृष्टिकोण और एन.ओ.आई. दृष्टिकोण की मान्यताओं और निहितार्थों की व्याख्या करें। अपने उत्तर को काल्पनिक उदाहरण से स्पष्ट कीजिए।

5. A firm's sales, variable cost and fixed cost amount to Rs. 75,00,000, Rs. 42,00,000 and Rs. 6,00,000 respectively. It has borrowed Rs. 45,00,000 at 9% and its equity capital is Rs. 55,00,000.

- What is the firm's ROI?
- Does it have favorable financial leverage?
- If the firm belongs to an industry whose asset turnover is 3, does it have a high or low asset leverage?
- What are the operating, financial and combine leverages of the firm?
- If the sales drop to Rs. 50,00,000, what will the new EBIT be?
- At what level will best of the firm equal to zero.

एक फर्म की बिक्री, परिवर्तन लागत और निश्चित लागत राशि क्रमशः रु. 75,00,000, रु. 42,00,000 और रु. 6,00,000 है। इसने 9% पर रु. 45,00,000 उधार लिए हैं। इसकी इक्विटी पूंजी रु. 55,00,000 है।

- फर्म की आर.ओ.आई. क्या है?
- क्या उसके पास अनुकूल वित्तीय उत्तोलन है?
- यदि फर्म किसी उद्योग से संबंधित है, जिसका परिसंपत्ति कारोबार 3 है, तो क्या उसके पास उच्च या निम्न परिसंपत्ति उत्तोलन है?

(घ) फर्म के परिचालन, वित्तीय और संयुक्त उत्तोलन क्या हैं?

(ड) यदि बिक्री रु. 50,00,000 तक गिर जाती है, तब नया EBIT क्या होगा?

(च) किस स्तर पर फर्म का सर्वश्रेष्ठ शून्य के बराबर होगा?

UNIT-III (इकाई-III)

6. The Earning per Share of a company is Rs. 8 and the rate of capitalization applicable is 10%. The company has before it, an option of adopting (i) 50% (ii) 75% (iii) 100% dividend payout ratio. Compute the market price of the company's quoted shares as per Walter's Model if it can earn a return of (a) 15% (b) 10% and (c) 5% on its retained earnings.

कम्पनी की प्रतिशेयर रु. 8 की आय है और पूंजीकरण की दर 10% लागू है। कम्पनी के पास इसके पहले (i) 50% (ii) 75% (iii) 100% लाभांश धुगतान अनुपात अपनाने का विकल्प है। वाल्टर के मॉडल के अनुसार कंपनी के उद्धृत शेयरों के बाजार मूल्य की गणना करें यदि वह अपनी प्रतिधारित आय पर (क) 15% (ख) 10% और (ग) 5% की वापसी अर्जित कर सकता है।

7. A company is considering two mutually exclusive projects. Both require an initial investment of Rs. 20,000 each, and have a life of five years. The company's required rate of return is 10% and pays a tax rate of 50%. The project will be depreciated on a straight line basis. The before taxes cash flows expected to be generated by the projects are as follows :

Year	1	2	3	4	5
Project-X	Rs 8,000	Rs 8,000	Rs 8,000	Rs 8,000	Rs 8,000
Project-Y	Rs 12,000	Rs 6,000	Rs 4,000	Rs 10,000	Rs 10,000

Calculate for each project :

- The payback period.
- The average rate of return.
- The Net Present Value.
- The internal rate of return.
- Which project should be accepted and why?

एक कंपनी दो परस्पर अनन्य परियोजनाओं पर विचार कर रही है। दोनों में से प्रत्येक के लिए ₹ 20,000 के शुरूआती निवेश की आवश्यकता होती है, और इनका जीवन पाँच साल का होता है। कम्पनी की आवश्यक वापसी दर 10% है और 50% की कर दर का भुगतान करती है। परियोजना का मूल्यहास सीधी रेखा के आधार पर होगा। कर से पहले परियोजनाओं द्वारा नकदी प्रवाह उत्पन्न होने की उम्मीद इस प्रकार है,

वर्ष	1	2	3	4	5
परियोजना-X	₹. 8,000	₹. 8,000	₹. 8,000	₹. 8,000	₹. 8,000
परियोजना-Y	₹. 12,000	₹. 6,000	₹. 4,000	₹. 10,000	₹. 10,000

प्रत्येक परियोजना के लिए गणना कीजिए :

- भुगतान की अवधि।
- प्रतिलाभ की औसत दर।
- शुद्ध वर्तमान मूल्य।
- प्रतिलाभ की आन्तरिक दर।
- किस परियोजना को स्वीकार किया जाना चाहिए और क्यों?

UNIT-IV (इकाई-IV)

8. What do you understand by working capital? Discuss the various sources of working capital fund.

कार्यशील पूंजी से आप क्या समझते हैं? कार्यशील पूंजी निधि के विभिन्न स्रोतों की विवेचना कीजिए।

9. ABC Ltd. sells its products on a gross profit of 20% on sales. The following information is extracted from its annual accounts for the year ended 31st March 2020.

Sales (3 month credit)	Rs. 40,00,000
Raw materials	Rs. 12,00,000
Wages (15 days in arrears)	Rs. 9,60,000
Administration Expenses (one month in arrears)	Rs. 4,80,000
Manufacturing Expenses (one month in arrears)	Rs. 12,00,000
Sales promotion expenses (Payable half yearly in advance)	Rs. 2,00,000

The company enjoys one month's credit from suppliers of raw materials and maintains two months stock of raw materials and one and a half months finished goods. Cash balance is maintained as Rs. 10,00,000 as a precautionary balance. Assuming a 10% margin, find out the working capital requirements of ABC Ltd.

Cost of sales for calculation of debtors and cost of finished goods may be taken at sales minus gross profit as per rate of gross profit given.

एबीसी लिमिटेड अपने उत्पादों की बिक्री 20% के सकल लाभ पर बेचता है। 31 मार्च 2020 को समाप्त वर्ष के लिए निम्नलिखित जानकारी इसके वार्षिक खातों से निकाली गई है :

बिक्री (3 महीने का क्रेडिट)	रु. 40,00,000
कच्चा माल	रु. 12,00,000
मजदूरी (15 दिन का बकाया)	रु. 9,60,000
प्रशासनिक व्यय (एक माह का बकाया)	रु. 4,80,000
निर्माण व्यय (एक महीने का बकाया)	रु. 12,00,000

बिक्री संवर्धन व्यय (अग्रिम में देय अर्धवार्षिक) रु. 2,00,000
 कंपनी कच्चे माल के आपूर्तिकर्ताओं से एक महीने का क्रेडिट प्राप्त करती है और कच्चे माल का 2 महीने का स्टॉक और डेढ़ महीने का तैयार माल रखती है। एहतियात शेष के रूप में रु 1,00,000 का नकद शेष रखती है। 10% का मुनाफा मानते हुए, ABC लिमिटेड की कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं को ज्ञात कीजिए।

देनदारों की गणना के लिए बिक्री की लागत और तैयार माल की लागत बिक्री पर दिए गये सकल लाभ की दर के अनुसार सकल लाभ घटाकर ली जा सकती है।